

Signature and Name of Invigilator

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

Test Booklet No.

J-6708

PAPER – III

Time : 2½ hours]

ARCHAEOLOGY

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 40

Number of Questions in this Booklet : 26

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

(ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

J-6708

1

P.T.O.

# Test Prime

**ALL EXAMS,  
ONE SUBSCRIPTION**



**70,000+**  
Mock Tests



**Personalised  
Report Card**



**Unlimited  
Re-Attempt**



**600+**  
Exam Covered



**Previous Year  
Papers**



**500%**  
Refund



**ATTEMPT FREE MOCK NOW**

**ARCHAEOLOGY****पुरातत्व विज्ञान****PAPER – III****प्रश्न-पत्र – III**

**NOTE:** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

## SECTION - I

## खण्ड – I

**Note :** This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Culturally, the period marking the advent of iron (first half of the first millennium B.C.) was coeval in the north with the Painted Grey Ware in the west (Punjab, Haryana, Rajasthan, and western Uttar Pradesh), and the black-and-red ware in the east (eastern Uttar Pradesh, Bihar, and West Bengal). Notwithstanding the standardized tableware character of the former Ware, no urban pattern is recognizable in the material culture represented by it. The material equipment of the people using this ware was none too rich. The houses were made of adobe. A few copper or iron objects are the only indications of the use of metal. The impact of iron does not appear to have brought about any catalytic change in the economy of the people, nor contributed substantially to the specialization of crafts. The social and economic patterns remained rural. This was the period when *janapadas* or chiefdoms with fairly well-defined boundaries were being formed. A remarkable chronological proximity is noticed between the beginning of the Painted Grey Ware and the later Vedic Age. There can, therefore, be no reasonable doubt in ascribing this Ware to later Aryans.

सांस्कृतिक दृष्टि से, लोहे के आविष्कार का युग (प्रथम सहशब्द बी० सी० का पूर्वार्ध)

उत्तर के उन धूसर चित्रित भांडों के युग का समकालीन था, जो पश्चिम के (पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिम उत्तर प्रदेश) तथा पूर्व के कृष्ण लोहित भांडों (पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और

पश्चिम बंगाल) के युग थे। पूर्व निर्मित भांडों के मानक खाद्य ग्रहण पात्र (टेब्लवयेर) की विशेषताओं के बावजूद इसका प्रतिनिधित्व करने वाली भैतिक संस्कृति के अन्य अवशेषों में नगरिय नमूनों की पहचान संभव नहीं है। इस भांड को प्रयुक्त करने वाले लोगों के भौतिक उपकरण भी समृद्ध नहीं थे। घर कच्ची ईंटों से निर्मित थे। ताम्बे और लोहे की कुछ ही वस्तुओं से धातु के प्रयोग का प्रमाण मिलता है। उस युग के लोगों की अर्थव्यवस्था में लोहे के प्रभाव से कोई उत्प्रेरक परिवर्तन नहीं दिखलाई पड़ता था, वहि हस्तशिल्पों की विशेषताओं में कोई स्थायी परिवर्तन दीख पड़ता था।

सामाजिक और आर्थिक नमूने ग्रामीण बने रहे इसी युग में जनपदों तथा मुखिया प्रशासन की सीमायें और मर्यादायें निर्धारित हो रही थीं। चित्रित धूसर भांड के आरंभिक काल में तथा उत्तर वैदिक काल के मध्य, एक उल्लेखनीय कालानुक्रम की समरक्षता दिखलाई पड़ती है। अतः निस्संदेह रूप से यह कहा जा सकता है कि ये भांड उत्तर आर्यों के द्वारा ही निर्मित थे।

1. What was the impact of iron technology to the makeup of painted Grey Ware culture ?  
धूसर चित्रित मृदभांड संस्कृति के निर्माण में लोहे तकनीक का क्या प्रभाव था ?

2. At the time of painted Grey Ware culture the territories of the Janapadas were defined. Did the capitals of these states developed into urban centres ?

धूसर चित्रित मृदभांड संस्कृति के काल में जनपदों की सीमायें निर्धारित हो गयी थीं – क्या इन राज्यों की राजधानी नगरिय केन्द्रों के रूप में विकसित हो गयी थीं ?

3. Did the Painted Grey Ware horizons correspond Chronologically with the later group of Aryan migration ?

क्या धूसर चित्रित मृदभांडीय जमाव आर्यों के परिवर्ती आगमन के साथ कालानुक्रमी चरण के समकालीन है ?

4. What was the relationship of dispersal pattern of the Painted Grey Ware with the Black-and-Red Ware ?

धूसर चित्रित मृदभांड तथा कृष्ण लोहित मृदभांड के क्षेत्रीय विस्तार के नमूनों में क्या सम्बन्ध है ?

5. What were the main Characteristics of the material remains of Painted Grey Ware harizons ?

धूसर चित्रित मृदभांड स्तरों से उपलब्ध भौतिक अवशेषों की मुख्य विशेषतायें क्या हैं ?

## SECTION - II

## खण्ड – II

**Note :** This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 Marks)

**नोट :** इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What are the main aims of Archaeology ?

पुरातत्व के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं?

7. What is a suitable lay out for excavating a cairn type of Megalith ? Enumerate.  
कैन प्रकार के महाष्म समाधि के उत्खन का उचित उत्खन विन्यास क्या है? निरूपण कीजिए।

8. What are the fundamentals of carbon 14 dating ?  
कार्बन 14 तिथि निर्धारण की आधार मान्यता क्या है?

9. What are the main characteristics of Pleistocene climate ? Discuss.

प्रतिनूतन कालीन जलवायु की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं? विवेचन कीजिए।

10. Was *Australopithecus* anthropologically and archaeologically a man ? Discuss.

क्या ऑस्ट्रालोपिथिकस मानवशास्त्री व पुरातात्विक दृष्टि से मानव था? विवेचन कीजिए।

11. What was the technique of making a painted Black - and - Red Ware bowl ? Enumerate.

चित्रित कृष्ण-लोहित मृद् भाण्ड कटोरे की निर्मित विधि क्या थी ? निरूपण कीजिए।

12. What was the extent of Harappa culture ?

हड़प्पा संस्कृति का विस्तार क्या था ?

13. What is the evidence for seasonal camping in middle Ganga plain at the beginning of Holocene.

नूतन काल के प्रारंभ में मध्य गांगेय मैदान में ऋतु-शिविरों के क्या प्रमाण हैं?

14. Describe main features of settlement of Sishupala.

शिशुपालगढ़ की सन्निवेशीय विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

15. What is the chronology and extent of painted grey ware culture ?

धूसर चित्रित मृद् भाण्ड संस्कृति का कालक्रम व विस्तार क्या था?

16. Discuss main features of Dravida Style of Architecture ?

द्रविड़ शैली के वास्तु के प्रमुख लक्षणों का विवेचन कीजिए।

17. Write a note on the Mauryan pillars.

मौर्य स्तंभों पर एक टिप्पणी लिखिए।

18. Bring out the importance of Samudragupta's Gold coins.

समुद्रगुप्त के स्वर्ण मुद्राओं के महत्व को प्रतिरूपित कीजिए।

19. Give a note on the Gwalior inscription of Mihira Bhoja.

मिहिर भोज के ग्वालियर अभिलेख पर एक टिप्पणी लिखिए।

20. Discuss the value of primary sources in research.

शोध में मूल स्रोतों के मूल्य की विवेचना कीजिए।

## SECTION - III

## खण्ड – III

**Note :** This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 Marks)

**नोट :** इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

## Elective - I

## विकल्प – I

21. Discuss the major types of geological formations and their archaeological contents of the Potwar region.

पोतवार क्षेत्र के मुख्य भूगर्भशास्त्रीय जमावों व उनसे प्राप्त पुरा अवशेषों का विवेचन कीजिए।

22. Do you agree that "Mesolithic was an adaptation to the changed ecological conditions of the early Holocene" ? Discuss with the help of Indian examples.

क्या आप मानते हैं कि "मध्य-प्रस्तर प्रारंभिक नूतन कालीन परिवर्तित पर्यावरण से समव्यवस्था था"? भारतीय उदाहरणों सहित विवेचन कीजिए।

23. Discuss main techno-typological characteristics of Middle Palaeolithic in India.

भारत की मध्य-पुरा-प्रस्तर के प्रमुख तकनीक व उपकरण प्रकारों का विवेचन कीजिए।

24. Evaluate subsistence and economy of pit-dwellers of Kashmir valley.

काश्मीर घाटी के गर्त-आवासियों के जीवन यापन विधा का मूल्यांकन कीजिए।

25. Write a note on the origin of pottering technology in India.

भारत में मृद् भाण्ड निर्माण तकनीक की उत्पत्ति पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. What was the impact of Harappan Civilization to the later chalcolithic cultures of Central and Western India ? Discuss with examples.

मध्य व पश्चिम भारत की पर्यावर्ति ताम्रआश्मक संस्कृतियों पर हड़प्पीय सभ्यता का क्या प्रभाव था? उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

22. Discuss main features of Early Harappan phase of Sindh region.

सिंध क्षेत्र के प्राक-हड़प्पीय चरण को मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

23. What are "Copper Hoards" ? Who were their authors ? Discuss.

‘ताम्र निधि’ क्या हैं? उनके निर्माता कौन थे? विवेचन कीजिए।

24. Write a critical note on the main features of secular architecture of Harappan civilization.

हड़प्पा संस्कृति के अधार्मिक वास्तु पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

25. Discuss extent and chronology of Harappa culture.

हड़प्पा संस्कृति के विस्तार व काल-क्रम का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

## Elective - III

## विकल्प – III

21. Critically evaluate planning of capital cities of the Mahajanapad period in Ganga plain.  
गंगा के मैदान के महाजनपद कालीन राजधानी नगरों के विन्यास का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
22. Write a critical note on the excavated remains of Satanikota.  
सतनीकोटा के उत्खनित अवशेषों पर एक टिप्पणी लिखिए।
23. Do you agree that "Gupta period is marked by 'de-urbanization' "? Discuss with examples.  
क्या आप मानते हैं कि "गुप्त काल 'नगर के ह्रास' का था? विवेचना कीजिए।
24. Critically examine the role of iron technology in the make up of II urbanization in India.  
भारत के II नगरीकरण की संरचना में लौह तकनीक के योगदान का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
25. Write a note on the antiquity of Varanasi.  
वाराणसी की प्राचीनता पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

## Elective - IV

## विकल्प – IV

21. Which is the most developed Stupa of North India ? Enumerate it's main architectural features.  
उत्तर भारत का सर्वाधिक विकसित स्तूप कौन सा है? उसके प्रमुख वास्तु अंगों का निरूपण कीजिए।
22. Discuss the growth of the Chalukyan style of temple architecture.  
चालुक्य शैली के मन्दिर वास्तु के विकास का विवेचन कीजिए।

23. Write a note on the Rathas of Mahabalipuram.  
महाबलीपुरम के रथों पर एक टिप्पणी लिखिए।
24. Give an account of the Mauryan pillar capitals.  
मौर्य शीर्ष स्तंभों का विवरण दीजिए।
25. Discuss technique and themes of Chola bronzes.  
चोल काँस प्रतिमाओं के निर्माण तकनीक व विषय का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. Discuss briefly the merits and demerits of epigraphy as a source of Ancient Indian History.  
प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में पुरालेखन शास्त्र के गुण व सीमाओं का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।
22. Evaluate the contents of the Lumbini inscription of Asoka.  
अशोक के लुम्बिनी अभिलेख के विषय का मूल्यांकन कीजिए।
23. Give an account of Lucknow Museum Jain image inscription of the time of Huvishka (126 A.D.)  
हुविष्क (126 A.D.) के काल की, लखनऊ संग्रहालय की, जैन प्रतिमा लेख का एक विवरण दीजिए।
24. Bring out the characteristic features of Chola local-self government as gleaned from Inscriptions.  
अभिलेखों में प्रतिबिम्बित चोलों के स्थानीय प्रशासन के प्रमुख लक्षणों का निरूपण कीजिए।
25. Discuss the contribution of the Indo-Greeks to the history of coinage of India.  
भारत की मुद्राओं के इतिहास में हिन्द-यूनानियों के योगदान का विवेचन कीजिए।























## SECTION - IV

## खण्ड – IV

**Note :** This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 Marks)

**नोट :** इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) Write a critical note on the Megalithic culture of India.

भारत के महाष्म संस्कृति पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

OR / या

(b) Discuss main characteristics of Pre-Harappa culture of Kochi plain.

कोची मैदान के प्राक-हड़प्पा संस्कृति के प्रमुख लक्षणों का विवेचन कीजिए।

OR / या

(c) Write a note on the fortified settlements of the third second millennium B.C., of Indian sub-continent.

तृतीय-द्वितीय सहस्र शताब्दी ई.पू. के भारतीय उपमहाद्विप के परिकोटीय सन्निवेशों पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / या

(d) Discuss the contribution of Mathura School of art.

मथुरा शिल्प केन्द्र के योगदान का विवेचन कीजिए।

OR / या

(e) Re-constructd career and achievements of Pulkeshin-II an account of the pillar inscription at Aihole.

ऐहोली स्तंभ अभिलेख के आधार पर पुलकेशिन-II के जीवन वृत्त व उपलब्धियों की संरचना कीजिए।



















FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....